अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

विषयः इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

संकाय- आर्युविज्ञान संकाय

(नियम, परीक्षा, योजना, अंकन, योजना एवं पाठ्यक्रम)

सत्र : 2025-26

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

पाठ्यक्रम का परिचय एवं उद्देश्य:

इलेक्ट्रो होमियोपैथी कारगर होने के साथ साथ सस्ती, सरल एवं वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली है। जिसका अविष्कार सन् 1865 मे बोलोगना इटली के डॉ काउंट सीजर मैटी ने किया था। चिकित्सा की इस प्रणाली का मुख्य आधार शरीर के अंदर मौजूद रस अर्थात लसिका एवं रक्त नामक दो द्रव्य पदार्थ है। जिनके असन्तुलन व दूषित होने पर शरीर में व्याप्त विद्युत ऊर्जा की कमी से शरीर के अंगों की क्रिया घटने व बढ़ने से ही रोग की उत्पति होती है। विद्युतीय शक्ति या ऊर्जा पौधों सहित सभी जीवित प्राणियों में पायी जाती है शरीर की कोई भी कोशिका, ऊतक, अंग या तंत्र का संचालन विद्युतीय ऊर्जा के बिना व इस पद्धति का बुनियादी सिद्धान्त हैं, वहीं जीवित कोशिकाओं की विद्युत ऊर्जा का निर्माण के चयापचय के लिये जिम्मेदार हैं। स्वस्थ्य जीवन हमें समय समय पर रोगी और कई इलेक्ट्रो बहाल घटनाओं के माध्यम से तर्क संगत स्पष्टीकरण भी देता है, जिसकी कमी पूरी करना आवश्यक है।
इलेक्ट्रो होमियोपैथिक चिकित्सा विधा की हर्बल औषधियां अन्य विधाओं की फार्माकोपिया उल्लेखित सभी दवाओं की तुलना में अधिक कार्यात्मक क्षमता बहाल करने और जैविक परिवर्तनों को रोकने हेतु सक्षम है।
इस विधा की औषधियां वनस्पति जगत में व्याप्त विद्युतीय शक्ति से संपन्न पेड़ पोधों से एक विशेष विधि (शीताशव विधि) से स्पेजेरिक एसेंस प्राप्त किया जाता है, जो सरकार द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त जर्मन फार्माकोपिया का एक हिस्सा है। भारत के ड्रग्स एण्ड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के तहत अनुसूची नम्बर 4 के रूप में इन उपायों को शुद्ध करने के लिये अधिक उपयात्मक है।
यह पाठ्यक्रम एक सुदृढ़ स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण योजना के रूप में विकसित होगा। शिक्षा एक मूलभूत अधिकार है किंतु विगत वर्षों से शिक्षा प्राप्ति का उद्देश्य सिर्फ सरकारी नौकरिया प्राप्त करना ही होता आ रहा है इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षित युवा बेरोजगारों के बीच स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे इसके क्रियान्वयन में आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्र की जनता को बहुत साहसी जैसे महामारी बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं में शासकीय अमलों के साथ कन्धे से कंधा मिलाकर सहयोग करने की स्थिति में होंगे एवं शासन पर बिना किसी वितीय अधिकार के गाँव गाँव मे स्वास्थ्य नेटवर्क उपलब्ध होगा जिस प्रकार प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाओं ने देश के समक्ष एक अनूठा उदाहरण पेश किया है उसी प्रकार यह पाठ्यक्रम भी क्षेत्र की जनता के लिए स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा, जो स्वास्थ्य कार्यकर्ता भारतीय परिवेश में कार्य करने के लिए आवश्यक है।
इन्हें निम्न विषयों का प्रशिक्षण आवश्यक है

1. शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान का ज्ञान
2. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका एवं फार्मेसी का ज्ञान
3. राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाली बीमारियाँ का ज्ञान
4. स्वास्थ्य जागरुकता से संबंधित संपूर्ण ज्ञान
5. चिकित्सकों के आदेशों के पालन हेतु ज्ञान
6. विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की पहचान व चिन्हित करने का प्रशिक्षण
7. जैविक चिन्ह जैसे रक्तचाप नाड़ी, ज्वर, पीलिया,रक्तअलपता आदि का ज्ञान
8. गंभीर बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों को चिन्हित कर उसे उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण
9. जटिल बीमारियों एवं वृद्धों की देखभाल का ज्ञान
10. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज्ञान

उक्त प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार के रूप में पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में कार्य कर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए स्तंभ का कार्य करेगा।

प्रवेश योग्यता- 10+2 (किसी भी विषय में) इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा मे प्रमाण पत्र को प्राथमिकता
पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष(1144 घंटे) सैध्दांतिक अध्ययन एवं
6 माह(1080 घंटे) का क्लीनिकल प्रशिक्षण (शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल / क्लीनिक द्वारा)
क्लीनिकल प्रशिक्षण उपरांत ही पत्रौपाधि डिप्लोमा प्राप्त होगा।

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

पाठ्यक्रम एंव पाठ्यचर्चा

भाग - 1 बुनियादी जीव विज्ञान, पैथालॉजी एवं बायोकेमेस्ट्री

भाग - 2 बुनियादी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी एवं मटेरिया मेडिका

भाग - 3 बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा, चिकित्सा न्याय शास्त्र, विष विज्ञान

भाग - 4 बुनियादी प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन, आइरिडोलॉजी एवं जैव चिकित्सा प्रबंधन

M Tanwar

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

प्रथम प्रश्नपत्र

बुनियादी जीव विज्ञान, पैथालॉजी एवं बायोकेमेस्ट्री

अधिकतम अंक -100 उत्तीर्णांक-40
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

आधारभूत जीव विज्ञान

1 ऊपरी अंग (हड्डियां, मांसपेशियां, नसें, धमनियां) निचला अंग (हड्डियां, मांसपेशियां, नसें, धमनियां)
2 पेट: (हड्डियों, अंगों, मांसपेशियों, नसों, धमनियां) सिर और गर्दन (हड्डियों, अंगों, मांसपेशियों, नसों, धमनियां) थौरेक्स (हड्डियां, अंग, मांसपेशियां, नसें, धमनियां)
3 कोशिका, ऊतक , रक्त, विटामिन, खनिज पाचन तंत्र , हृदय प्रणाली
4 श्वसन प्रणाली, कंकाल प्रणाली ,तंत्रिका तंत्र
5 मूत्र प्रणाली, प्रजनन प्रणाली, संचार प्रणाली
6 अंत: स्त्राविका , त्वचा
7 लसिका तंत्र
8 रक्त परिसंचरण तंत्र
9 रेटिकुलोएण्डोथिलियल प्रणाली
10 विशिष्ट इन्द्रियां

सामान्य विकृति विज्ञान

1. परिचय
सामान्य विकृति विज्ञान की परिभाषा ,विभिन्न प्रयोगशाला तकनीक और माइक्रोस्कोपी
2. स्वास्थ्य एवं रोग
स्वास्थ्य और रोग की परिभाषा, रोग की क्रियाविधि
3. सूजन अवधारणा और परिभाषा , सूजन के विभिन्न चरण, नैदानिक लक्षण, तीव्र और जीर्ण सूजन फाइब्रोसिस और मरम्मत की प्रक्रिया ,पीप निर्माण
4. परिसंचरण विकार- हाइपरमिया, थ्रोम्बोसिस, एम्बोलिज्म, एडिमा
5. अपक्षयी ऊतक परिवर्तन -
शोष,धुंधली, सूजन) ,अध:पतन ,परिगलन गैंग्रीन ,घुसपैठ विकार
6. पुनर्योजी ऊतक परिवर्तन हाइपरट्रॉफी
हाइपरप्लासिया ,हीलिंग ,केलोइड निर्माण
7. प्रोलिफेरेटिव ऊतक परिवर्तन: ट्यूमर
ट्यूमर की क्रियाविधि, ट्यूमर का वर्गीकरण, सौम्य ट्यूमर , फाइब्रोमा, मायोमा, लाइपोमा, ऑस्टियोमा, कोंड्रामा
घातक ट्यूमर : कार्सिनोमा, सारकोमा, लिम्फोमा, मेलेनोमा, पेपीसोमा, वेसल सेल कार्सिनोमा

सूक्ष्मजीव विज्ञान

अ : जीवाणु विज्ञान

निम्न जीवाणुओं का आकृति विज्ञान, वृद्धि और रोगजनन, स्टैफिलोकोकस ,स्ट्रेप्टोकोकस ,न्यूमोकोकस, गोनोकोकस ,गोरिन-बैक्टीरियम डिफ्थीरी ,माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस ,क्लॉस्ट्रिडियम टेटनी, साल्मोनेला टाइफी, शिगेला पेचिस, विब्रियो कॉलेरी, ट्रेपोनिमा पैलिडम (सिफलिस) , ई. कोलाई

ब : परजीवी विज्ञान

Scanned with OKEN Scanner

मुख्य परजीवी और उनके रोग: प्लास्मोडियम, एस्केरिस लुम्ब्रिकोइड्स, एंकिलोस्टोमा, ऑक्सीयूरिस टीनिया सोलियम , लीशमैनिया डोनोवानी , ट्राइकोमोनास वैजाइनलिस ,जिआर्डिया लैम्ब्लिया इचिनोकोकस ग्रैनुलोसम हेरिया

विषाणु विज्ञान

निम्न प्रमुख विषाणुजन्य रोगों का अध्ययन :

चेचक , खसरा , इन्फ्लुएंजा , हर्पीस जोस्टर , पोलियोमाइलाइटिस ,एन्सेफलाइटिस , संक्रामक हेपेटाइटिस रोग प्रतिरोधक क्षमता ।

प्रतिरक्षा का परिचय

प्रतिरक्षा के प्रकार: प्राकृतिक प्रतिरक्षा , अर्जित प्रतिरक्षा , सक्रिय प्रतिरक्षा, निष्क्रिय प्रतिरक्षा

बुनियादी बायोकेमेस्ट्री

1. **बायोमोलेक्यूल्स कार्बोहाइड्रेट्स:** संरचना, प्रकार, कार्य (शर्करा, स्टार्च, सेल्यूलोज)

प्रोटीन्स: अमीनो अम्लों का वर्गीकरण, प्रोटीन की चार स्तरीय संरचना

लिपिड्स: फैटी एसिड, ट्राइग्लिसराइड्स, फॉस्फोलिपिड्स

न्यूक्लिक एसिड्स: DNA और RNA की संरचना और कार्य

2. एंजाइम

एंजाइमों की संरचना और क्रियाविधि,एंजाइम क्रिया का सिद्धांत ,एंजाइम इनहिबिशन ,चिकित्सा में महत्वपूर्ण एंजाइम।

3. चयापचय

कार्बोहाइड्रेट चयापचय: ग्लाइकोलिसिस, ग्लूकोनियोजेनेसिस, TCA साइकिल, ग्लाइकोजन मेटाबोलिज्म

लिपिड चयापचय: बीटा-ऑक्सीडेशन, फैटी एसिड संश्लेषण, कोलेस्ट्रॉल चयापचय,प्रोटीन व अमीनो अम्ल चयापचय: ट्रांसएमिनेशन, डीएमिनेशन, यूरिया चक्र,न्यूक्लियोटाइड चयापचय: प्यूरिन और पाइरीमिडीन संश्लेषण और अपघटन

4. विटामिन और खनिज : जल में घुलनशील विटामिन (B-कॉम्प्लेक्स, विटामिन C),वसा में घुलनशील विटामिन (A, D, E, K) की कमी से होने वाले रोग,आवश्यक खनिज तत्व (कैल्शियम, आयरन, जिंक, आयोडीन आदि)

5. हार्मोन : हार्मोन की संरचना और कार्य प्रणाली

प्रमुख अंत: स्रावी ग्रंथियाँ और उनके हार्मोन (जैसे पिट्यूटरी, थायरॉयड, एड्रिनल)

हार्मोन विकार (जैसे डायबिटीज, हाइपोथायरॉयडिज्म)

6. आणविक जीव विज्ञान : DNA प्रतिकृति (Replication), मरम्मत और पुनर्संयोजन

ट्रांसक्रिप्शन (RNA संश्लेषण) और ट्रांसलेशन (प्रोटीन संश्लेषण)

DNA तकनीक, PCR (पॉलीमरेज चेन रिएक्शन)

7. क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री : एसिड-बेस संतुलन और विकार

द्रव और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन,लीवर फंक्शन टेस्ट ,वृक्क फंक्शन टेस्ट ,कार्डियक मार्कर्स (डायबिटीज में जैव रासायनिक परीक्षण, लिपिड प्रोफाइल विश्लेषण।

8. फ्री रेडिकल्स और एंटीऑक्सिडेंट्स : फ्री रेडिकल्स का निर्माण, एंटीऑक्सिडेंट सुरक्षा प्रणाली, बीमारियों में फ्री रेडिकल्स का महत्व।

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

द्वितीय प्रश्नपत्र

बुनियादी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी एवं मटेरिया मेडिका

अधिकतम अंक -100
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

उत्तीर्णांक-40

बुनियादी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी

1. परिचय, परिभाषाएँ और इतिहास - इलेक्ट्रो होम्योपैथी का अवलोकन, सिद्धांत और इसके इतिहास की जानकारी।
2. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक भेषज विज्ञान - इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी हेतु आदर्शात्मक तथ्य, औषधीय पदार्थ का चित्रण पहचान,औषधीय पदार्थ में अपवित्रता का स्थान, औषधीय पदार्थ की प्राप्ति, संग्रह और सुरक्षा , भेषज और औषधीय पदार्थ की सुरक्षा ,वनस्पति भेषज की महत्ता, वनस्पति विज्ञान की उत्पत्ति और विकास
3.इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधीय का वर्गीकरण और स्त्रोत
4. प्रयोगशाला और उपकरण - उपकरण और यंत्र, उपकरणों का विवरण और उनकी सफाई,स्वच्छता के सामान्य नियम
5. भेषजवह - डिस्टिल्ड वाटर (आसुत जल), अल्कोहल, एब्सलूट एल्कोहल, ग्लोबयूल्स
6. इलेक्ट्रो होम्योपैथी की फार्मेसी - स्टैंडर्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी,

औषधीय पौधे -

114 वनस्पतियाँ - अब्रोटनम,एक्थिया ऑफ, एकोनिट नापेलस, एडिएंटम कपिलस, एस्कुलस हिप्पोकास्टनम, एगेरिकस मुस्कैरियस, ऐलांथस ग्लैंडलो, एलियम केपा (रेड ऑनियन), एलियम सेटिवम (गार्लिक) , एलो कैपेंसिस, अन्तिमिस नोबिलिस (रोमन कैमोमाइल), आर्निका मोन्याना, एट्रोपा बैलेंडोना, अवेना स्टीवम, बर्बरीस वुल्गैरिस, बेटउला एल्बा, कैनबिस स्टीव, कार्डयूस बेनेडिक्टस, कार्टरैः इस्लैंडिका, स्टीरिया इस्लैंडिका, कामोमिला, कोलिडोनियम मेजस, चेनोपोडियम, कॉक्लियरिया ऑफ, कोनियम मैकुलेटम, कांड्रानगों, सिनकोना कैलिसाया, सिनकोना सक्रुबा, सिना, क्लाइमेट्स इरेक्ट, समीकफुगा रिसेमोसा, डल्कामारा, डिक्टमनस एलबस, ड्रोसेरा रोटेंडिफोली, इकाइनसिंग, एक्साइटम अरवेंस, इरीट्रिया सेंटुरियम, यूकेलिप्टस ग्लोबलस, इनफॉबियम ऑफिसिनलिस, यूप्रेशिया ऑफिसिनलिस, यूनिम्यूस यूरोपीयस, फुकस वेजिस्क्युलोसस, इरम लेन्स, सेंटियाना लुटे, गैलेप्सिस ऑक्रोलियुका, ग्लेचिमो आकर्सेसस, जेनेटिस्ट स्कोपैरिया, गयाइकम ऑफ, हममेलिस वर्जीनिया, हाइड्रस्टिसकैनेडेंसीज, ह्यूमलिस लुप्लुस, ह्योस्यमस नाइजर, इंप्रेयेरिया ऑस्ट्रूटियम, लपेचाच्यान्ह, लेडम प्लास्टर, लोबिलिया इंफ्लेटा, लाइकोपोडियम क्लावटम, मलावा सिल्वेस्टरिस, मेलिस्सा ऑफिसिनलिस, मेजरियम, मिलीफोलियम, मेन्यांथेस ट्रिफोलियाटा, मायर्टस कम्युनिस, न्यूट्रिशियम ऑफिसिनलिस, नेक्स वामिक, ऑकलिस एसिटोसिला, पहलेंड्रियम एक्टिकम, फाइटोलैक्सा डीकेनड्रा, पिंपिनेल्ला सेक्सीफ्रैगा, पिंस मारिटिमा, पिंस नाइग्र, पॉलीग्ला, पॉपुलस एल्बा, पॉपुलस ट्रेमुलडो, पेट्रोस लाइनम स्टीवम, पोडोफाइलम प्लेटटम, पुलिसटील निगा, रोसा कॉन्या, रूटा ग्रेवोलेंस, रॅस एरोमेटिक्सस, रॅस टॉक्सिको, राइम प्लेटमा,रोडूडेन्ड्रो मैक्सिमम, रोजमेरिनस ऑफिसिनलीस, स्लाइस एल्बा, साल्विया ऑफिसिनली, सलाइवा स्क्लेर्स, सम्बुशकस नाइग्रा, संगुसौरबा ऑफिसिनली, सांगुइनरिया कैनेबेंसिस, स्क्रोफुलरिया नोडोसा, स्कोलोपेंड्रियम वल्गरे, सिमरुबा आम्र, स्मिक्स मेडिका, सॉलिडेगो वियाग्रा, स्पीजिलिया अंयर्लिमया, सिम्फिटम ऑफिसिनल, सम्पक्रविवम टाईट, स्टिक्टा प्लम, टेस्कस बेकेट, ट्रैक्सम ऑफिसिनली, टेंटसेटम वल्ग, ट्रक्रियम स्कोरोडोना, थलस्पि बुरसा, थूजा ऑक्सिड,टीलिया यूरोपीय, थाइमस सर्पीलम, टूॅशलागो फार, विजिट वेनिफेरा, विस्कम एल्बम, विंका माइनर, विंका टॉक्सिकम, वाइब्रनम ओप,वेरोनिका ऑफिसिनली

7. स्पेजेरिक एसेंस - स्पेजेरिक एसेंस बनाने की विधि, कोहबेशन निर्माण विधि और वातावरण के तत्व
8. औषधि निर्माण विधि - डाइल्यूशंस बनाने की विधि ,टैबलेट औषधिकृत करने की विधि , ऑइंटमेंट या लोशन बनाने की विधि, ड्रॉप बनाने की विधि
9. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी में उपयोगी औषधियां - इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियां
10. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी के संबंध में कानून
11. वजन माप तथा तुलनात्मक एकार्थकता
12. औषधि निर्देश लेखन - संक्षिप्त निर्देश
13. बाह्य रूप में व्यवहारित औषधियां और उनकी भेषजीय प्रक्रिया
14. फार्मास्यूटिकल प्रक्रिया
15. विभिन्न परिभाषाएँ : परिभाषाएँ, दवाओं का बाह्य प्रयोग

Scanned with OKEN Scanner

16. जीव जगत और इलेक्ट्रो होम्योपैथी – पौधों और जंतुओं में अंतर ,वनस्पति विज्ञान ,पौधों के उपापचय के निष्क्रिय पदार्थ, स्त्रावी पदार्थ, उत्सर्जी पद्वार्थ , इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवाओं की वास्तविकता, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में प्रयोग होने वाले पौधों की संक्षिप्त जानकारी

17.जर्मन नाम से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिंस की व्यवस्था।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और मूलभूत सिद्धांत

- 17वीं और 18वीं शताब्दी में दवाओं का मूल्यांकन, चिकित्सा का विज्ञान और दर्शन
- इलेक्ट्रो होम्योपैथी की खोज और संक्षिप्त परिचय
- डॉ. काउंट सीजर मैटी का जीवन इतिहास और इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास
- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सामग्री और उनकी क्रिया का महत्व
- इलेक्ट्रो होम्योपैथी और अन्य चिकित्सा पद्धतियों के बीच दवाओं का अंतर

रोग और मानव शरीर का अध्ययन

- इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अनुसार रोग के कारण
- रक्त की संरचना और कार्य
- लसीका की संरचना और कार्य
- ऊर्जा का संचार
- आदि शक्ति

स्वभाव और रोगों की प्रकृति

- प्रकृति (अ) लसीका प्रकृति,(ब) रक्त प्रकृति, (स) पित्त प्रकृति, (द) मिश्रित प्रकृति
- सकारात्मक और नकारात्मक रोग
- रोग पहचान के कुछ तरीके

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक उपचार प्रणाली

- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक उपचारों की प्रक्रिया
- इलेक्ट्रो होम्योपैथी में ध्रुवीकरण का नियम
- स्पैजिरिक एसेंस बनाने की विधि
- इलाज के नियम, आदर्श इलाज, औषध-रोग, संवेदनशीलता
- वृद्धि, एंटीडोट और सही खुराक तथा रोग अवस्था में दवा की क्रिया

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाएँ और उनका अनुप्रयोग

- 114 वनस्पतियाँ और उनकी शारीरिक क्रियाएँ
- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियाँ

डब्लू० ई०, आर० ई०, वाई०ई०, बी० ई० , जी० ई०, ए० पी० पी०, एस० 1,एस० 2,एस० 3, एस० 4, एस० 5, एस० 6, एस० 7, एस० 8, एस० 9, एस० 10, एस० 11,एस० 12, एस० 13, एस० लैस, लिम्फ 1 , लिम्फ 2, ए० 1 , ए० 2, ए० 3, ए० 4 , ए०5, एफ० 1 , एफ० 2, सी० 1, सी० 2, सी० 3 , सी० 4 ,सी० 5 , सी० 6, सी० 7 , सी० 8, सी० 9 , सी० 10, सी० 11 , सी० 12, सी० 13, सी० 14, सी० 15, सी०16, सी० 17, सी० 18, पी 1, पी०2, पी 3, पी० 4, पी० 5, पी० 6, पी० 7, पी० 8, पी० 9 वेन०1, वेन०2, वेन०3, वेन०4, वेन०5, वेन०6, वर० 1, वर० 2, सिन्थ।

- ड्रग सब्सटेंस का संग्रह
- ग्लोब्यूल्स और डायल्यूशन्स का उपयोग
- डोसोलॉजी
- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाओं का आंतरिक और बाह्य उपयोग
- शरीर के वे बिंदु जहां मलहम और विद्युत लगाए जाने चाहिए
- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाओं के सिद्धांत और उनका वितरण

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

तृतीय प्रश्नपत्र
बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा, चिकित्सा न्याय शास्त्र एवं विष विज्ञान

उत्तीर्णांक-40

अधिकतम अंक -100
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा,
- संक्रामक रोग- चेचक, छोटी माता, हैजा, डेंगू , ज्वर, सूजाक, हेपेटाइटिस , इनफ्लूएंजा कुष्ठ रोग, मलेरिया, खसरा, तन्त्रिका शोध, प्लेग, उपदंश, टिटेनस, क्षय, पीत ज्वर, एड्स, मियादी बुखार (टायफॉयड), स्वाइन फ्लू, पोलियो, कोरोना वायरस।
- सामान्य रोग :-सिर दर्द, दमा, घेंघा रोग, घुटनों का दर्द, रक्त चाप, मोटापा, जुकाम, मधुमेह, बाल झरना, परजीवी कृमि संक्रमण, निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन), कब्ज, ज्वर, अल्सर, तम्बाकू सेवन के दुष्परिणाम, औषधि प्रतिक्रिया के कारण उत्पन्न आपात स्थिति।
- आपातकालीन रोगों का प्रबंधन एवं निवारण:- प्रारंभिक परीक्षण वायु मार्ग, प्रारंभिक परीक्षण, श्वसन, मरीज परीक्षण चिकित्सा, आघात मरीज परीक्षण, ट्राइएज प्रोटोकॉल, चेतन अवस्था में बदलाव, एलर्जी एनपफायलैक्सिस, श्वास संबंधी समस्याएं, हृदय विराम, सीने में दर्द, मिर्गी, बुखार, उच्च रक्तचाप, डायरिया, अत्यधिक वजन, पेट दर्द, लकवा, बेहोशी, लू लगना, फांसी, शरीर का तापमान कम होना, कीटपतंगों का डंक, डूबना, विषाक्तता, साँप का दंश, आघात आपातकाल, आघात मामलों में सामान्य आदेश, पेट का आघात, जलने का आघात, सीने का आघात, बाह्य रक्तस्त्राव व अन्य विच्छेद, हाथ पैर का आघात, सिर और रीढ़ की हड्डी का आघात, सदमा, अत्यधिक आघात, बाल चिकित्सा का आकलन, ज्वर, ,मिर्गी, आकस्मिक शिशु जन्म।
- **इलेक्ट्रो होम्योपैथी /वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति द्वारा सामान्य, जटिल एवं आकस्मिक रोगों का ज्ञान व उपचार**
- **प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल एवं रोगों के रोकथाम के उपाय :** विशिष्ट संरक्षण, पुनर्वासन, प्राथमिक निवारण, व्यक्तिगत स्वास्थ्य विज्ञान, संगरोध उपाय, सूचनीय रोग।
- **प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा के सिद्धांत एवं पोषण -**
- **पोषण :-** हमारा भोजन, भोजन के कार्य , पोषण तथा पोषक तत्व (कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज जल) भोजन समूह, संतुलित आहार, पोषण संबंधी आवश्यकता, पोषण संबंधी विकार और कुपोषण, संतुलित आहार सारणी उम्र एवं कार्यानुसार।

बुनियादी चिकित्सा न्याय शास्त्र
- चिकित्सा न्यायशास्त्र, कानूनी प्रक्रिया, चिकित्सा न्यायशास्त्र की परिभाषा, न्यायालय और अधिकार क्षेत्र एवं कर्तव्य।
- चिकित्सा नैतिकता और कानून, चिकित्सक और राज्य के बीच संबंध, पेशेवर गोपनीयता संघ अधिनियम, पागलपन अधिनियम, गर्भपात अधिनियम आदि
- मृत्यु और पोस्टमार्टम, अप्राकृतिक मृत्यु के प्रकार, मृत्यु के संकेत, कठोरता, सड़न, पोस्टमार्टम प्रक्रिया और रिपोर्ट
- चोट और शारीरिक पहचान, जीवित और मृत आयु की पहचान, यौन विशेषताएं, यांत्रिक चोट, घाव
- विशेष परिस्थितियों में मृत्यु, दम घुटना, फांसी, जलना, डूबना आदि
- कौमार्य, बलात्कार, गर्भावस्था और प्रसव, कानूनी परीक्षण, आपराधिक गर्भपात और शिशु हत्या
- कुंद, धारदार, वजनी, नुकीले गढ़े हथियारों का ज्ञान ।

विष विज्ञान
- विष विज्ञान की परिभाषा विष के प्रकार, विषाक्तता के लक्षण और निदान
- विषों का वर्गीकरण एवं अध्ययन खनिज अम्ल, आर्सेनिक, अफीम, धतूरा, बेलाडोना, सर्प विष आदि
- पोस्टमार्टम में विष पहचान रासायनिक परीक्षण की सामग्री, प्रयोगशाला निष्कर्षों की व्याख्या
- घरेलू विष

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

चतुर्थ प्रश्नपत्र

बुनियादी प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन, आइरिडोलॉजी एवं जैव चिकित्सा प्रबंधन

अधिकतम अंक -100 उत्तीर्णांक-40
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

बुनियादी प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन

■ मूल सिद्धांत:
बुनियादी सिद्धांत और अभ्यास की वस्तुएं, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक अभ्यास की अवधारणा, रोगों के प्रकार और उपचार के तरीके ।
बुखार:- सामान्य प्रकार के बुखार, प्रोटेजोअल संक्रमण के कारण, मलेरिया, काला पानी बुखार, लीशमैनियासिस, कालाजार, जीवाणु संक्रमण के कारण होने वाले बुखार, मस्तिष्क में बुखार, बुखार का जटिल समूह, पीला बुखार, स्पाइरोचेटल संक्रमण के कारण होने वाले बुखार, उपदंश, वायरस के संक्रमण के कारण होने वाले बुखार खसरा, जर्मन खसरा चिकन पॉक्स, चेचक, वैक्सीनिया, डेंगू, भौतिक और रासायनिक एजेंटों के कारण होने वाला बुखार, अज्ञात रोग विज्ञान के बुखार, सेप्टिसीमिया, पाइमिया, एरिसिपेलस, प्लेग।

■ परिसंचरण तंत्र:
विषयगत लक्षण, उद्देश्य गायन, सामान्य गायन, नाड़ी रक्त, दबाव, नाड़ी तरंग, हृदय की शारीरिक परीक्षा, शारीरिक स्थिति, शीर्ष धड़कन का निरीक्षण और तालमेल, दाएं वैंट्रिकुलर धड़कन, अन्य धड़कन, अधिजठर धड़कन, शिरापरक धड़कन, रोमांच, टक्कर, हृदय की सुस्ती, हृदय का गुदाभंश, असामान्य हृदय ध्वनियां, हृदय की ध्वनियों का तुल्यकालन, बड़बड़ाहट बाहय हृदय की ध्वनियां, हृदय की वाह्य परीक्षा, पॉलीग्राफ, इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राफ का परिचयात्मक अध्ययन, हृदय की एक्स-रे परीक्षण, धड़कन, डिस्पेनिया सिंकोप, सायनोसिस, अतालता, जन्मजात हृदय रोग, मायोकार्डियल रोग, जन्मजात हृदय रोग का विभेदक निदान, धमनी रोग, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हृदय रोग, एनजाइना पेक्टोरिस, मायोकार्डियल रोधगलन, धमनीविस्फार, वासोमोटर रोग, फुफ्फुसीय धमनी के रोग, विशेष परिस्थितियों में हृदय, अतिवृद्धि और हृदय संचार विफलता का फैलाव। कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का पूर्वानुमान।

■ श्वसन प्रणाली:
व्यक्तिपरक घटनाएं, खांसी, छाती में दर्द, डिस्पेनिया, थूक, हेमोप्टाइसिस, ऊपरी श्वसन पथ की शारीरिक जांच, नाक, गले, ग्रसनी टॉन्सिल, स्वर यंत्र, फेफड़ों की शारीरिक जांच, निरीक्षण, तालमेल, टक्कर गुदाभंश, सांस की आवाज, स्वर प्रतिध्वनि आकस्मिक ध्वनियाँ, घर्षण, विशेष ध्वनियां, फुफ्फुसीय रोग, डिप्थीरिया, काली खांसी, ट्रेकाइटिस, ब्रोन्किइक्टेसिस, ब्रेन्कियल रुकावट, अस्थमा, ट्रॉपिकल डीसिनोफिलिया, निमोनिया, न्यूमोनाइटिस, फेफड़े का फोड़ा, फेफड़े का गैंग्रीन। फुफ्फुसीय तपेदिक, वातस्फीति, फुफ्फुसीय रोधगलन पतन, फुफ्फुसीय रसौली, न्यूमोकोनियोसिस, फेफड़े का उपदंश, अन्य फुफ्फुसीय रोग, फुप्फुस, हाइड्रोथारेक्स, हेमोथॉरैक्स, काइलोथॉरैक्स, न्यूमोथॉरैक्स, डायाफ्रामिक ऐंठन, मीडियास्टिनल ट्यूमर।

■ पाचन तंत्र
विषयपरक घटना, भूख और प्यास, अपच , पेट में दर्द, अन्य असहज संवेदनाएं, पेट का दर्द, टेनेसमस, मतली और उल्टी, रक्तगुल्म, पेचिस, कब्ज, आतों में रुकावट, मुँह की जांच, सांस, अन्नप्रणाली, पेट की शारीरिक रचना, निरीक्षण, तालमेल, टक्कर, पेट, आंत, मलाशय की जांच, मल की जांच, शारीरिक पोषण और जिगर की बिमारियों के संकेत, पित्ताशय की सामग्री परीक्षण, एक्स-रे परीक्षण, अग्न्याशय सामान्य आहार रोग, एल्बोकोलाइटिस, स्टोमाटाइटिस, जीभ, लार ग्रंथियां, अन्नप्रणाली, पेट-जठरशोथ, गैस्ट्रिक अल्सर, गैस्ट्रिक कैंसर, पेट का फैलाव, पाइलोरिक बाधा, तीव्र दस्त, जीर्ण दस्त, हैजा, बृहदांत्रशोथ, बृहदान्त्र के अन्य रोग, अपच, विसेरोप्टोसिस।

■ मूत्रजननांगी प्रणाली के रोग:-

- किडनी ग्लोमेरूलो नेफ्रिटिस, नेफ्रैटिस सिंड्रोम, पायलोनेफ्राइटिस, रीनल ट्यूबरक्युलोसिस, नेफ्रोकैल्सीनोसिस, पेरिनेफ्रिक फोड़ा। ट्यूमर नेफ्रोब्लास्टोमा (विल्म का ट्यूमर), हाइपरनेफ्रोमा, पॉलीसिस्टिक किडनी, हाइड्रोनफोसिस।
- मूत्रवाहिनी -पथरी, हाइड्रोयूरेटर।
- मूत्राशय-सिस्टाइटिस, पथरी, पैपिलोमा, कार्सिडोमा।
- मूत्रमार्ग- गोलोकोकल मूत्रमार्गशोथ, मूत्रमार्ग का सख्त होना।
- प्रोस्टेट- प्रोस्टेट का सौम्य हाइपरप्लासिया और प्रोस्टेट का कार्सिनोमा।
- पेनिस- बालनोपोस्टहाइटिस, पेनिस का कार्सिनोमा।
- टेस्टिस ऑर्काइटिस-फाइलेरिया, पोस्ट-मम्प, ट्यूबरकुलोसिस, टेस्टिकुलर ट्यूमर।

Scanned with OKEN Scanner

महिला जननांग प्रणाली

- अंडाशय- सिस्ट और ट्यूमर।
- फैलोपियन ट्यूब - सल्पिंगिटिस, पायोसालपिन और तपेदिक।
- गर्भाशय - फाइब्रॉएड, गार्सिनोमा।
- गर्भाशय- कट्यव, गर्भाशय ग्रीवा का कार्सिनोमा।
- योनि - योनिशोथ और ट्यूमर।

तंत्रिका तंत्र :-

सिरदर्द, आधा सीसी का दर्द, तांत्रिक शूल , मिर्गी ,अचेतन अवस्था , पक्षाघात, ऐंठन ,तंत्रिका सूजन , नई वृद्धि, तंत्रिका उपदंश , केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का उपदिक, अंतः कपालीय अर्बुद, मांस पेशीय विकार ,मांसपेशियों की कमजोरी, मांसपेशियों की बर्बादी, बहुतंत्रिकाशोथ, ग्रधसी रोग ,मेरुदंड की सूजन, रेयनाउड रोग, स्पाइनल इर्रिटेशन, लोकोमोटर एटैक्सिया, फ्रीडरिच एटैक्सिया ,स्पास्टिक पैराप्लेजिया , अटैक्सिक पैराप्लेजिया ,स्पाइनल पैरालिसिस, प्रोग्रेसिव फेशियल हेमट्रोफी, प्रोग्रेसिव बुलर पक्षाघात, मज्जा के रोग

नाक, कान, गला

-बहरापन, कान बहना, कान का संकमण, कान वजना, चक्कर आना ,

-सर्दी फ्लू सोर थ्रोट (गले की खरास स्ट्रेप थ्रोट डिप्थीरिया, टांसिल सूजना,

-टॉसिल पकना, टांसिल निकालना गले का जीवाणु संक्रमण

-एलर्जी , साइनूसाइटिस, चेहरे पर दर्द ।

आँख विज्ञान

-मोतियाबिंद , अंधत्व, कालबिंद, ग्लूकोमा, दृष्टिकोण, भेंगापन , मधुमेह संबधी रेटिनोपैथी, आँख आना,

धुंधली दृष्टि, पलको का गिरना।

आइरिडोलॉजी

1. (परिचय) : आयरिडोलॉजी का इतिहास और विकास, प्रमुख आयरिडोलॉजिस्ट्स (जैसेरू आयरिडोलॉजी के सिद्धांत और मूल धारणाएँ,
2. (नेत्र की शारीरिक रचना), आँख की संरचना ,आईरिस का कार्य और उसकी भूमिका
3. आईरिस चार्ट अध्ययन, दाएँ और बाएँ आईरिस का चार्ट,शरीर के विभिन्न अंगों और तंत्रों के प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्र,
4. आईरिस में चिन्ह और निशान, रंग, स्पोट्स, स्ट्रक्चर्स, रिंग्स आदि विभिन्न चिन्हों का स्वास्थ्य संकेतों से संबंध,
5. रंग और स्वास्थ्य संबंध, नीली, भूरी और मिश्रित आईरिस,रंग परिवर्तन और उनका अर्थ
6. निदान की विधियाँ, कैसे आईरिस की तस्वीरें ली जाती हैं, आईरिडोलॉजी रिपोर्ट तैयार करना
7. केस स्टडी और विश्लेषण, वास्तविक केस स्टडी पर अभ्यास,निष्कर्ष और सलाह देना
8. आयरिडोलॉजी का इलेक्ट्रो होमियोपैथिक चिकित्सा और डाइट/लाइफस्टाइल के साथ उपयोग।

जैव चिकित्सीय प्रबंधन

जैव चिकित्सीय प्रबंधन और जानकारी नियंत्रण संरचना, परिचय, उद्देश्य, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लाभ , संक्रमण नियंत्रण, नोसोकोनियल संक्रमण, स्वास्थ्य देखभाल, कर्मचारियों की शिक्षा और प्रशिक्षण, नोसोकोनियल संक्रमण निगरानी।

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

अंक योजना

विषय	सैद्धांतिक		प्रायोगिक		कुल अंक
	अधिकतम अंक	परीक्षा समय	अधिकतम अंक	परीक्षा समय	अधिकतम अंक
आधारभूत जीव विज्ञान, योलॉजी एवं बायोकेमेस्ट्री	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
बुनियादी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी एवं मटेरिया मेडिका	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा, चिकित्सा न्याय शास्त्र एवं विष विज्ञान	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
बुनियादी प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन, डिओलॉजी एवं जैव चिकित्सा प्रबंधन	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
कुल	400		400		800

मूल्यांकन योजना

क्र.सं	मूल्यांकन	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्रतिशत	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अंक
1.	सैद्धांतिक मूल्यांकन 400 अंक	सैद्धांतिक अंक 70 70x4=280 आंतरिक मूल्यांकन 30x4=120	40%	160
2.	प्रायोगिक मूल्यांकन 400 अंक	प्रायोगिक अंक 100 अंक 100x4 = 400 अंक	40%	160

Scanned with OKEN Scanner